Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

बुद्धि लब्धि - Intelligence quotient

बुद्धि लब्धि को संक्षेप में I.Q के रूप में प्रयोग किया जाता है। I.Q जर्मन शब्द (Intelligent-quotient) से बना है। जर्मन मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न तथा कुहलमान ने सन 1912 में मानसिक आयु व वास्तविक आयु के अनुपात को बुद्धि लब्धि या I.Q. के रूप में प्रयोग करने का सुझाव दिया परन्तु I.Q का प्रयोग सन् 1916 में टरमैन के द्वारा स्टैनफोर्ड बिने परीक्षण के प्रकाशन के उपरान्त ही प्रचलित हो सका था टरमैन के द्वारा मानसिक आयु व शारीरिक आयु के अनुपात को 100 से गुणा करके प्रयुक्त किया गया बुद्धि-लब्धि व्यक्ति की सामान्य योग्यता के विकास की गति का निर्धारण करती है।

कोल एवं ब्रूस के अनुसार - "बुद्धि-लब्धि यह बताती है कि मानसिक विकास की योग्यता में किसी गति से विकास हो रहा है"

बुद्धि लब्धि को हम निम्न सूत्र के द्वारा ज्ञात कर सकते हैं

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$$

$$I.Q = \frac{M.A}{C.A} \times 100$$

उदाहरण - यदि किसी बालक वास्तविक आयु 13 वर्ष तथा मानसिक आयु 14 वर्ष तो उसकी बुद्धि लब्धि ज्ञात कीजिए

$$I.Q = \frac{14}{13} \times 100 = \frac{1400}{13} = 107.69$$

Anoop

बुद्धि लब्धि वितरण का उदाहरण

बुद्धि लब्धि सीमाएँ	प्रतिशत	वर्ग
130 से अधिक	2	प्रतिभाशाली
121 – 130	7	प्रखर बुद्धि
111 – 120	16	तीव्र बुद्धि
91 – 110	50	सामान्य बुद्धि
81 – 90	16	मन्द बुद्धि
71 – 80	7	अल्प बुद्धि
71 से कम	2	जड़ बुद्धि

सामाजिक बुद्धि–

सामाजिक बुद्धि को समाज लब्धि भी कहा जाता है। यह बुद्धि लब्धि की तरह से सामाजिक बुद्धि परीक्षणों पर प्रयोज्यों के निष्पादन या प्राप्तांकों का ऐसा सांख्यिकीय स्वरूप है जिसका मध्यमान 100 तथा मानक विचलन 15 या 16 होता है यह परिवर्तनशील प्रकृति का गुणांक होता है। सामाजिक बुद्धि का मापन प्रश्नावली, अवलोकन, परीक्षण, स्व-आख्या आदि की सहायता से मापा जा सकता है। इस प्रकार के मापन में दूसरो के व्यवहार का अवलोकन करने व समझने, दूसरो की मनोस्थिति को पहचानने, दूसरो के नाम, चेहरे व सम्बन्धो को याद रखने तथा सामाजिक परिस्थितियो में निर्णय लेने जैसी बातो के आधार पर सामाजिक बुद्धि का आंकलन किया जाता है। इन मापन साधनो की सहायता से प्राप्त सामाजिक बुद्धि

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

प्राप्तांको को मानक प्राप्तांको के रूप में बदलकर समाज लब्धि की गणना निम्न सूत्र से की जा सकती है।

$$\text{समाज लब्धि (S.Q)} = 100 + \frac{X - M}{6} \times 100$$

किसी व्यक्ति की समाज लब्धि के 100 के लगभग होने पर उसे औसत सामाजिक बुद्धि वाला, 100 से अधिक होने पर अधिक सामाजिक बुद्धि वाला तथा 100 से कम होने पर कम सामाजिक बुद्धि वाला कहा जाता है। समाज लब्धि वस्तुतः विभिन्न मापन उपकरणों से प्राप्त प्राप्तांको को तुलनीय बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है।

Anoop

संवेगात्मक बुद्धि -

संवेगात्मक बुद्धि दो शब्दो संवेगात्मक तथा बुद्धि से मिलकर बना है। संवेगात्मक शब्द का सम्बन्ध संवेगो से है। तथा बुद्धि शब्द का सम्बन्ध संज्ञानात्मक क्षमता से होता है। संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य संवेगो से सही ढंग से निबटने की संज्ञानात्मक क्षमता से होता है। इसमे व्यक्ति के स्वयं के संवेगो तथा दूसरो के संवेगो को जानने, समझने व प्रबन्धन करने की समग्र योग्यता समाहित रहती है।

संवेगात्मक बुद्धि में —

A - स्वयं को तथा अपने लक्ष्यो, मन्तव्यो, प्रतिक्रियाओ व व्यवहारो आदि को समझने

B - दूसरों को व दूसरों की भावनाओ को समझने के दो पक्ष समाहित रहते हैं।

बैरन के अनुसार - "संवेगात्मक बुद्धि द्वारा वह क्षमता परावर्तित होती है। जिसके माध्यम से दिन-प्रतिदिन के पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ निपटा जाता है। और जो व्यक्ति की जिंदगी में जिसमें व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत कार्य भी सम्मिलित हो, सफलता प्राप्त करने में मदद करता है।"

पीटर सेलवे तथा जॉहनमेयर के अनुसार - "संवेगात्मक बुद्धि संवेग का प्रत्यक्षीकरण करने संवेग को स्पष्टीकरण करने, विचार को सुलभ बनाने, संवेगो को समझने तथा संवेगो को नियंत्रित करके वैयक्तिक प्रगति को बढ़ाने वाली योग्यता है।"

28/01/22

[redacted]
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Anoop